

**वनाश्रमी वि.** (तत्.) वानप्रस्थ आश्रम में स्थित पुं.  
वह व्यक्ति जिसने वानप्रस्थ स्वीकार किया हो।

**वनिका स्त्री.** (तत्.) छोटा वन।

**वनिता स्त्री.** (तत्.) 1. स्त्री, नारी 2. पत्नी 3.  
प्रेयसी 4. नायिका।

**वनी स्त्री.** (तत्.) छोटा वन वि. 1. वन का 2. वन  
में स्थित 3. वन से संबंधित पुं. 1. वृक्ष 2. ऋषि  
3. वनवासी।

**वनीकृत वि.** (तत्.) (वह भूमि) जिसमें वृक्ष आदि  
लगाकर वन जैसा बना दिया गया हो।

**वनेचर वि.** (तत्.) जंगल में विचरण करने वाला  
पुं. 1. ऋषि 2. जंगली पशु 3. राक्षस 4. वनवासी  
व्यक्ति 5. वनमानुष।

**वनैला वि.** (तत्.) जंगली जैसे- वनैला भैंसा, बनैला।

**वनोत्पाद पुं.** (तत्.) जंगल में उत्पन्न होने वाले  
वृक्ष, लकड़ियाँ, ओषधियाँ फल आदि, वन की  
उपज।

**वनोत्सर्ग पुं.** (तत्.) मंदिर, तालाब आदि बनवाकर  
उसका लोकार्पण करना।

**वनोन्मूलन पुं.** (तत्.) वन को नष्ट कर देना।

**वनोपज स्त्री.** (तत्.) दे. वनोत्पाद।

**वनौषध पुं.** (तत्.) 1. वन में प्राप्त दवाएँ जैसे-  
जड़ी-बूटियाँ, शहद, गोंद, पशुओं से प्राप्त पदार्थ  
आदि 2. वनौषधियों से तैयार किसी रोग विशेष  
की दवा।

**वनौषधि स्त्री.** (तत्.) दे. वनौषध।

**वन्य वि.** (तत्.) 1. वन से संबंधित 2. वन में  
होने वाला 3. वन में रहने वाला पुं. 1. असभ्य  
2. बर्बर 3. वनवासी जाति का व्यक्ति।

**वन्यचर वि.** (तत्.) 1. वन में विचरण करने वाला,  
वन में रहने वाला पशु 2. जंगल के स्वतः  
उत्पाद पर जीवन-यापन करने वाले जीव-जंतु।

**वन्यवृत्ति स्त्री.** (तत्.) दे. वनजीवी।

**वन्या स्त्री.** (तत्.) 1. घना वन 2. वनों का समूह  
3. जल राशि 4. गुंजा, घुँघची।

**वन्येतर वि.** (तत्.) 1. वन में रहने वाले जीव-जंतु  
2. ऐसे पशु-पक्षी जो मात्र जंगल पर निर्भर न  
हों 3. पालतू पशु।

**वपन स.क्रि.** (तत्.) जमीन में बीज बोने का कार्य,  
रोपन, रोपना, बोना।

**वपनीय वि.** (तत्.) 1. बोने योग्य, जिसको रोपा  
जा सके 2. ऐसी वस्तु, जिसमें उगने का लक्षण  
हो।

**वपा स्त्री.** (तत्.) 1. धड़ के भीतर वाले अंगों के  
मध्य स्थित झिल्ली 2. वसा, चर्बी 3. वल्मीक,  
बाँबी।

**वपित वि.** (तत्.) रोपा हुआ, बोया हुआ, उगाने के  
आशय से जमीन में डाला हुआ।

**वपु पुं.** (तत्.) देह, शरीर, जिस्म।

**वपुमान वि.** (तत्.) सुंदर डील-डौल वाला, हृष्ट-पुष्ट  
शरीर वाला, सुंदर और पुष्ट काया वाला।

**वपुष्टमा स्त्री.** (तत्.) 1. काशी नरेश की पुत्री,  
जिसका विवाह जनमेजय से हुआ था 2. पद्म  
चारिणी लता।

**वप्ता पुं.** (तत्.) 1. जमीन में बोनेवाला, रोपनेवाला  
2. जनक, पिता।

**वप्प पुं.** (तत्.) 1. पिता, बाप 2. वपन करने  
वाला, बीज बोने वाला।

**वप्र पुं.** (तत्.) 1. पर्वत-तुंग, पहाड़ की सब से ऊपर  
की चोटी 2. पर्वत से नीचे आने का मार्ग 3.  
किले के इर्द-गिर्द बनाई गई खाई की मिट्टी से  
बना हुआ ऊँचा टीला 4. इमारत की नींव स.क्रि.  
हाथी, भैंस द्वारा सींगों अथवा दाँतों की सहायता  
से मिट्टी कुरेदना।

**वफ़ा स्त्री.** (अर.) 1. प्रेमपूर्ण मधुर संबंधों को निभाने  
का कार्य 2. रिश्तों में ईमानदारी का व्यवहार 3.  
निष्ठा विलो. बेवफ़ा।